

दूर्वा व्याधिविनाशाय होमयेत् ।। अग्नि.पु.-८१.५१

सर्व व्याधि नाशार्थं दूर्वा (दूब) का हवन करना चाहिये ।



यज्ञ से उत्पन्न धूम में **Eucalyptol**,  
**Endo-Borneol**, **p-Cyanoaniline** जैसे  
माइक्रोबियल एक्टिविटी देने वाले **Molecule**  
होते हैं, जिसके वायुमंडल में फैलने पर  
विभिन्न

**Pathogenic Bacteria, Virus, Fungus**

आदि से हमारा बचाव करते हैं तथा  
हवा को शुद्ध या कीटाणुरहित करने  
और पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने  
में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नित्य यज्ञाग्नि का आधान जहां । धरती का है स्वर्ग वहां ।।